

दानिय्येल की पुस्तक - संख्या बयासी

भविष्यसूचक पहली का अनावरण: दानिय्येल 11 के इतिहास और एडवेंटिज़्म में 'नित्य' के महत्व की समझ

Jeff Pippenger

2024-02-15

जब हम 1863 से लेकर 1989 में अंत के समय तक के इतिहास की समीक्षा, यहजेकेल अध्याय आठ की चार घृणित बातों के संदर्भ में—जो एडवेंटवाद की चार पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व करती हैं—कर लेंगे, तब हम अपना ध्यान 1989 में अनावृत हुई 'ज्ञान की वृद्धि' पर केंद्रित करेंगे। वह ज्ञान-वृद्धि दानिय्येल अध्याय ग्यारह की अंतिम छह आयतों से संबंधित थी। 1989 में, हमारे छोटे से सब्ब अध्ययन समूह ने बाइबल की भविष्यवाणी की सुधार रेखाओं की खोज की, जिनका उल्लेख Future for America अक्सर करता है, और जो हर सुधार रेखा में घटनाओं के क्रम को स्थापित करती हैं, जो बदले में भविष्यवाणी के विद्यार्थी को 'अंतिम वर्षा' की 'रेखा पर रेखा' पद्धति का अनुप्रयोग करने में सक्षम बनाती हैं।

कुछ ही वर्षों के भीतर (1992), मैंने दानिय्येल ग्यारह के अंतिम छह पदों पर एक प्रबंध लिख लिया था। यह प्रबंध मैंने अपनी संतुष्टि के लिए लिखा था, क्योंकि मेरे पास उस अध्ययन को सार्वजनिक रूप से प्रसारित करने की न तो क्षमता थी और न ही इच्छा। 1994 तक, वह प्रबंध एक एडवेंटिस्ट स्व-समर्थित मंत्रालय तक पहुँच चुका था, और 1995 तक, उस मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एक मासिक पत्रिका में दानिय्येल ग्यारह के अंतिम छह पदों पर ग्यारह लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित हुई। स्पिरिट ऑफ प्रोफेसी की रचनाओं में दानिय्येल ग्यारह के केवल कुछ ही विशिष्ट संदर्भ हैं, और उनमें से सबसे महत्वपूर्ण संदर्भ उन पदों के संबंध में मेरे द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुप्रयोग की वैधता के लिए केंद्रीय तर्क बन गया।

हमारे पास खोने के लिए समय नहीं है। हमारे सामने उथल-पुथल भरे समय हैं। संसार युद्ध की भावना से उद्वेलित है। शीघ्र ही वे संकट के दृश्य, जिनका भविष्यवाणियों में उल्लेख है, घटित होंगे। दानिय्येल के ग्यारहवें अध्याय की भविष्यवाणी लगभग अपनी पूर्ण पूर्ति तक पहुँच चुकी है। इस भविष्यवाणी की पूर्ति में जो इतिहास घट चुका है, उसका बहुत-सा भाग फिर से दोहराया जाएगा। तीसवें पद में एक शक्ति का उल्लेख है कि 'वह खिन्न होगा,' [दानिय्येल 11:30-36 उद्धृत।]

"इन शब्दों में वर्णित जैसे दृश्य घटित होंगे।" Manuscript Releases, संख्या 13, 394.

सिस्टर व्हाइट यह स्पष्ट करती हैं कि 1798 "अंत का समय" है।

"परन्तु अंत के समय," भविष्यद्वक्ता कहते हैं, "बहुत से इधर-उधर दौड़ेंगे, और ज्ञान बढ़ेगा।" दानिय्येल 12:4. . . 1798 से दानिय्येल की पुस्तक की मुहर खोली गई है, भविष्यवाणियों का ज्ञान बढ़ा है, और बहुतों ने न्याय निकट होने का गंभीर संदेश घोषित किया है।" महान विवाद, 356.

दानिय्येल ग्यारह का चालीसवाँ पद इस प्रकार शुरू होता है, 'और अंत के समय।'

और अन्त के समय दक्षिण का राजा उस पर आक्रमण करेगा; और उत्तर का राजा रथों, घुड़सवारों और बहुत से जहाज़ों के साथ बवंडर के समान उस पर चढ़ आएगा; वह देशों में प्रवेश करेगा, और उन्हें बहा देता हुआ आगे बढ़कर पार निकल जाएगा। दानिय्येल 11:40.

यह स्पष्ट है कि भविष्यवाणी की आत्मा के प्रत्यक्ष अनुमोदन के बिना भी, पद चालीस उन घटनाओं की श्रृंखला की शुरुआत को दर्शाता है, जो 1798 में आरंभ हुई। वे घटनाएँ मानव अनुग्रह काल के समापन की ओर ले जाती हैं, क्योंकि दानिय्येल के बारहवें अध्याय के पहले पद में कहा गया है, "और उसी समय मीकाएल खड़ा होगा," और

सिस्टर व्हाइट स्पष्ट करती हैं कि जब मीकाएल खड़ा होता है तो मानव अनुग्रह काल समाप्त हो जाता है।

‘उस समय मीकाएल, वह महान सरदार जो तेरे लोगों के पुत्रों के लिए खड़ा रहता है, उठ खड़ा होगा; और ऐसा संकट का समय होगा, जैसा कि जब से कोई जाति हुई तब से उस समय तक कभी नहीं हुआ; और उस समय तेरे लोग बचाए जाएंगे—हर एक जो पुस्तक में लिखा पाया जाएगा।’ दानिय्येल 12:1.

जब तीसरे स्वर्गदूत का संदेश समाप्त होता है, तब पृथ्वी के दोषी निवासियों के लिए दया अब और विनती नहीं करती। परमेश्वर की प्रजा ने अपना कार्य पूरा कर लिया है। उन्होंने 'अंतिम वर्षा', 'प्रभु की उपस्थिति से आने वाली ताज़गी' प्राप्त कर ली है, और वे अपने सामने आने वाली कठिन परीक्षा की घड़ी के लिए तैयार हैं। स्वर्ग में स्वर्गदूत इधर-उधर शीघ्रता से आ-जा रहे हैं। पृथ्वी से लौटने वाला एक स्वर्गदूत यह घोषणा करता है कि उसका कार्य पूरा हो गया है; अंतिम परीक्षा संसार पर लाई गई है, और जिन्होंने दिव्य आज्ञाओं के प्रति स्वयं को विश्वासयोग्य सिद्ध किया है, उन सब ने 'जीवित परमेश्वर की मुहर' प्राप्त कर ली है। तब यीशु स्वर्गीय पवित्रस्थान में अपनी मध्यस्थता समाप्त कर देते हैं। वह अपने हाथ उठाते हैं और ऊँची आवाज़ में कहते हैं, 'यह हो चुका है;' और जब वह यह गंभीर घोषणा करते हैं, तो समस्त स्वर्गदूत अपने मुकुट उतार देते हैं: 'जो अधर्मी है, वह आगे भी अधर्मी बना रहे; और जो अशुद्ध है, वह आगे भी अशुद्ध बना रहे; और जो धर्मी है, वह आगे भी धर्मी बना रहे; और जो पवित्र है, वह आगे भी पवित्र बना रहे।' प्रकाशितवाक्य 22:11. हर एक के विषय में जीवन या मृत्यु का निर्णय हो चुका है। महान विवाद, 613.

दानिय्येल ग्यारह का पद चालीस 1798 में आरम्भ होता है, और पद पैतालीस में, जब उत्तर का राजा (पोपतंत्र) बिना किसी की सहायता के अपने अन्त को पहुँचता है, तब मानवीय परख का काल समाप्त हो जाता है, क्योंकि अगला पद कहता है, "और उसी समय," इस प्रकार उस "समय" की पहचान करता है जिसका उल्लेख पिछले पद में है, अर्थात् दानिय्येल ग्यारह के पद पैतालीस में। उत्तर का राजा (पोपतंत्र) मानवीय परख के काल के समापन पर अपने अन्त को पहुँचता है।

अतः दानिय्येल अध्याय ग्यारह के अंतिम छह पदों का इतिहास ऐसी घटनाओं के क्रम की पहचान करता है, जो 1798 में आरंभ होता है और मानवों के अनुग्रह काल के समापन पर समाप्त होता है। जब बहन वाइट जीवित थीं, तब 1798 स्पष्ट ही उनके अतीत में था। जब उन्होंने कहा कि "दानिय्येल के ग्यारहवें अध्याय की भविष्यवाणी लगभग अपनी पूर्ण पूर्ति तक पहुँच चुकी है," तो वह केवल 1798 के बाद और मीकाएल के उठ खड़े होने से पहले घटित होने वाले इतिहास का ही संदर्भ दे सकती थीं। फिर वह विशेष रूप से कहती हैं कि "इस भविष्यवाणी की पूर्ति में जो बहुत सा इतिहास घट चुका है, वह फिर दोहराया जाएगा," और इस प्रकार भविष्यवाणी के विद्यार्थी को यह निर्देश देती हैं कि दानिय्येल अध्याय ग्यारह का वह अंतिम इतिहास, जो "लगभग अपनी पूर्ण पूर्ति तक पहुँच चुका है," अध्याय ग्यारह में प्रस्तुत इतिहास के अन्य भागों में पूर्वरूप के रूप में दिखाया गया है।

जब वह उस अत्यंत महत्वपूर्ण भविष्यवाणी की कुंजी पर जोर देती है, तब वह पद तीस से छत्तीस तक उद्धृत करती है और कहती है, "इन वचनों में वर्णित के समान दृश्य घटित होंगे।" प्रेरणा ने उन भविष्यवाणी के विद्यार्थियों के लिए एक कुंजी प्रदान की जो दानिय्येल ग्यारह की अंतिम पूर्ति को समझना चाहते थे। वह कुंजी यह थी कि दानिय्येल ग्यारह के अंतिम छह पदों में वर्णित इतिहास, पद तीस से छत्तीस में प्रस्तुत इतिहास के समानांतर था। इस प्रकाशन से बहुत-सा प्रकाश प्राप्त होता है, पर यहाँ जिस बात पर ध्यान देना है, वह यह है कि दानिय्येल ग्यारह के इकतीसवें पद में 'नित्य' हटा दिया जाता है।

मानव के अनुग्रह काल के समापन तक ले जाने वाली घटनाओं के क्रम को दर्शाने वाले इतिहास को ठीक से समझने के लिए, भविष्यवाणियों का विद्यार्थी के पास "the daily" की सही समझ होना आवश्यक है। यदि पद इकतीस मसीह की पवित्रस्थान-सेवकाई के हटाए जाने की पहचान कर रहा है, या यदि वह मूर्तिपूजा के हटाए जाने की पहचान कर रहा है, तो "the daily" को समझना बिल्कुल अनिवार्य है, यदि आप उस समानान्तर इतिहास को ठीक से समझना चाहते हैं जिसके विषय में सिस्टर व्हाइट ने यह लिखते समय कहा था, "इन शब्दों में वर्णित दृश्यों के समान

दृश्य घटित होंगे।"

बेशक, लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म ने दानिय्येल अध्याय ग्यारह के पद चालीस की पूर्ति को 1989 में सोवियत संघ के पतन की पहचान के रूप में नहीं पहचाना, परंतु वह पद वास्तव में उन्हीं घटनाओं की पहचान कराता है। जो लोग 1989 में पद चालीस की पूर्ति के साथ आई भविष्यसूचक ज्ञान-वृद्धि को सही ढंग से समझना चाहते थे, उनके लिए "the daily" की सही समझ तब "वर्तमान सत्य" बन गई। बीसवीं सदी के प्रारंभिक काल में यह सही समझ महत्वपूर्ण थी, क्योंकि यह उन आधारभूत सत्यों का अनिवार्य हिस्सा थी जिन्हें स्थापित करने के लिए प्रभु ने विलियम मिलर का उपयोग किया था।

परंतु बीसवीं शताब्दी के पहले डेढ़ दशक के दौरान, वह शैतानी प्रोटेस्टेंट दृष्टिकोण, जो यह दावा करता है कि "the daily" मसीह की पवित्रस्थान-सेवा का प्रतिनिधित्व करता है, अल्पसंख्यक मत था; और इस सत्य के विषय में—कि "the daily" पैगनवाद का प्रतीक है—किसी विवाद को शुरू होने देना भी उचित न समझा गया। इसी कारण आप लाओदीकिया के ऐतिहासिक संशोधनवादियों से सुनेंगे कि "the daily" का विषय "परीक्षा का प्रश्न नहीं बनाया जाना चाहिए," या "कि 'the daily' के विषय को उठाया नहीं जाना चाहिए।" जब वे इस विशेष चर्चा में अनभिज्ञों का नेतृत्व करते हैं, तो संशोधनवादी जो बात हमेशा छोड़ देते हैं, वह वह शर्त है जो प्रेरणा ने सदैव इस विषय पर रखी थी। निम्नलिखित उद्धरण एल्डर हैस्केल के लिए निर्देशित है।

बीसवीं शताब्दी के प्रथम और द्वितीय दशक में, एल्डर हैस्केल प्रेस्कॉट और डैनियल्स के हमलों के विरुद्ध "the daily" की सही समझ के बचाव का नेतृत्व कर रहे थे। कृपया ध्यान दें, क्योंकि बहन वाइट ने कभी यह नहीं कहा कि "the daily" के बारे में हैस्केल की समझ गलत थी; उन्होंने तो बस उसे यह निर्देश दिया कि वह इस विवाद को जारी रहने न दे, क्योंकि प्रभु नहीं चाहते थे कि सत्य के शत्रुओं (प्रेस्कॉट और डैनियल्स) को अपनी झूठी शिक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार मंच मिलता रहे। उस उद्धरण में हैस्केल को "the chart" के लिए फटकारा गया है, और जिस चार्ट की बात हो रही है, वह 1843 का चार्ट है। उस विवाद में साक्ष्य के रूप में हैस्केल ने 1843 के चार्ट को पुनर्मुद्रित किया था। परन्तु उन्होंने केवल उसे पुनर्मुद्रित ही नहीं किया, बल्कि चार्ट के नीचे बहन वाइट का वह उद्धरण भी जोड़ दिया, जहाँ वह कहती हैं, "1843 का चार्ट प्रभु के हाथ से निर्देशित था और उसमें परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए।" जब आप उस उद्धरण को पढ़ते हैं, तो गिनिए कि वह कितनी बार "at this time" कहती हैं।

'मुझे आपको यह कहने का निर्देश दिया गया है कि इस समय Review में ऐसे कोई प्रश्न न उठाए जाएँ जो लोगों के मन को अस्थिर करें। . . . अब हमारे पास अनावश्यक विवादों में पड़ने का समय नहीं है, परंतु हमें हृदय और जीवन के सच्चे परिवर्तन के लिए प्रभु की खोज करने की आवश्यकता पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। आत्मा और मन के पवित्रीकरण को सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ प्रयास किए जाने चाहिए।'

मुझे इस बात के संबंध में सावधान किया गया है कि हमें एकजुट मोर्चा बनाए रखने की आवश्यकता है। यह इस समय हमारे लिए महत्वपूर्ण विषय है। व्यक्तियों के रूप में हमें अत्यंत सावधानी से कार्य करना चाहिए।

मैंने एल्डर प्रेस्कॉट को लिखा, यह बताते हुए कि उन्हें अत्यंत सावधान रहना चाहिए कि वे रिव्यू में ऐसे विषय न उठाएँ जो हमारे पिछले अनुभवों में खामियों की ओर इशारा करते प्रतीत हों। मैंने उन्हें बताया कि जिस विषय पर उनका मानना है कि गलती हुई है, वह कोई अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न नहीं है, और यदि उसे अभी प्रमुखता दी जाए, तो हमारे शत्रु उसका लाभ उठाएँगे और तिल का ताड़ बना देंगे।

आपसे भी यह कहना है कि इस विषय [दानिय्येल 8 के "DAILY" की पहचान.] को इस समय नहीं छोड़ा जाना चाहिए। नहीं, मेरे भाई, मुझे लगता है कि हमारे अनुभव के इस संकटकाल में वह चार्ट, जिसे आपने दोबारा प्रकाशित कराया है, वितरित नहीं किया जाना चाहिए। आपने इस मामले में गलती की है। शैतान दृढ़तापूर्वक ऐसे मुद्दे खड़े करने में लगा है जो भ्रम उत्पन्न करेंगे। कुछ लोग ऐसे हैं जो हमारे पादरियों को इस प्रश्न पर मतभेद में देखकर प्रसन्न होंगे, और वे इसे बहुत उछालेंगे।

"मुझे यह निर्देश दिया गया है कि इस प्रश्न के दोनों पक्षों से जो कुछ कहा जा सकता है, उसके संबंध में इस समय मौन ही वाक्यपट्टा है। शैतान हमारे प्रमुख उपदेशकों के बीच फूट डालने का अवसर की ताक में है। आप सबके एक साथ बैठकर इस विषय पर सहमति बना लेने से पहले चार्ट प्रकाशित करना एक गलती थी। आपने ऐसा विषय सामने लाकर बुद्धिमानी नहीं दिखाई जो अनिवार्य रूप से चर्चा उत्पन्न करेगा और विभिन्न मतों को सामने लाएगा, क्योंकि हर बिंदु को खींच-तानकर ऐसे अर्थ दिए जाएंगे जो अंततः कार्य को ही हानि पहुँचाएँगे। जिन्होंने झूठी गवाही देने की अपनी तत्परता का प्रमाण दे दिया है, उनके असत्य बयानों से निपटने में ही हमारी सारी शक्ति लग रही है।" Manuscript Releases, खंड 9, पृष्ठ 106, 107.

पिछले लेख में हमने यह पहचाना कि एलेन व्हाइट ने कहा था कि जिन्होंने न्याय-घड़ी की पुकार दी, उनके पास "the daily," के संबंध में सही दृष्टि थी; और कि प्रेस्कॉट और डैनियल्स का यह मत कि "the daily," मसीह की पवित्रस्थान-सेवकाई का प्रतिनिधित्व करता है, शैतान से आया था। उन्होंने हैस्केल को इस विवाद को जारी रहने देने के लिए फटकारा, पर "the daily," क्या दर्शाता है, इस सत्य पर उसके रुख के लिए नहीं। उस समय अधिकांश लोग अब भी "the daily," की अग्रदूतों वाली समझ में विश्वास रखते थे; और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि दानिय्येल अध्याय ग्यारह की वह आयत, जिसे 1989 में "अंत के समय" पर खोला जाना था, तब भी भविष्य में कई दशकों दूर थी। उसी समय (1989), "the daily," के सही दृष्टिकोण का महत्व आवश्यक होगा। संशोधनवादी हमेशा एलेन व्हाइट की वे समय-सीमित शर्तें, जो उस विशिष्ट अवधि तक सीमित थीं, अपनी मिथ्या-कथाओं की थालियों से बाहर ही छोड़ देते हैं। निम्नलिखित अंश में समय-संबंधी शर्त की गणना कीजिए।

मुझे भाइयों Butler, Loughborough, Haskell, Smith, Gilbert, Daniells, Prescott, और उन सब से कुछ बातें कहनी हैं, जो दानिय्येल 8 के 'the daily' के अर्थ के विषय में अपने विचारों पर जोर देने में सक्रिय रहे हैं। इसे परीक्षा का प्रश्न नहीं बनाया जाना चाहिए, और इसे इस रूप में लेने से जो हलचल उत्पन्न हुई है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण रही है। परिणामस्वरूप भ्रम उत्पन्न हुआ है, और हमारे कुछ भाइयों का ध्यान उस विचारशील मनन से हट गया है, जो उस कार्य पर दिया जाना चाहिए था, जिसे प्रभु ने निर्देश दिया है कि इस समय हमारे नगरों में किया जाए। यह हमारे कार्य के महान शत्रु को प्रसन्न करने वाला रहा है।

मुझे जो प्रकाश दिया गया है, वह यह है कि इस प्रश्न पर उत्तेजना को बढ़ाने के लिए कुछ भी नहीं किया जाना चाहिए। इसे हमारे प्रवचनों में न उठाया जाए और इसे अत्यंत महत्त्व का विषय समझकर उस पर लंबी चर्चा न की जाए। हमारे सामने एक महान कार्य है, और जो आवश्यक कार्य किया जाना है, उससे हटकर गंवाने के लिए हमारे पास एक घंटा भी नहीं है। आइए हम अपने सार्वजनिक प्रयासों को सत्य के उन महत्वपूर्ण पहलुओं की प्रस्तुति तक सीमित रखें, जिन पर हमें स्पष्ट प्रकाश प्राप्त है।

मैं आपका ध्यान मसीह की अंतिम प्रार्थना की ओर दिलाना चाहता हूँ, जैसा कि यूहन्ना 17 में दर्ज है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर हम बोल सकते हैं—पवित्र, परखने वाले सत्य, जो अपनी सरलता में सुंदर हैं। इन पर आप अत्यंत गंभीरता और लगन के साथ मनन कर सकते हैं। परन्तु 'the daily' या कोई और ऐसा विषय जो भाइयों के बीच विवाद उत्पन्न करे, इस समय चर्चा में न लाया जाए; क्योंकि इससे उस कार्य में देर और बाधा होगी, जिस पर अभी प्रभु चाहते हैं कि हमारे भाइयों के मन केंद्रित रहें। आइए हम ऐसे प्रश्नों को न उठाएँ जो मतभेदों को स्पष्ट रूप से उजागर करें, बल्कि वचन से परमेश्वर की व्यवस्था की बाध्यकारी माँगों के संबंध में पवित्र सत्य प्रस्तुत करें।

हमारे प्रचारकों को चाहिए कि वे सत्य को सबसे अनुकूल रूप में प्रस्तुत करें। जहाँ तक संभव हो, सब एक ही बातें कहें। प्रवचन सरल हों, और ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर हों जिन्हें आसानी से समझा जा सके। जब हमारे सभी प्रचारक अपने आप को नम्र करने की आवश्यकता को समझेंगे, तब प्रभु उनके साथ कार्य कर सकेंगे। हमें अब पुनः परिवर्तित होने की आवश्यकता है, ताकि परमेश्वर के स्वर्गदूत हमारे साथ सहयोग करें और जिनके लिए हम परिश्रम करते हैं, उनके मनों पर पवित्र प्रभाव डालें।

हमें मसीह-सदृश एकता के बंधनों में घुल-मिल जाना चाहिए; तब हमारे परिश्रम व्यर्थ नहीं होंगे। सब एक ही डोर से साथ खींचें, और कोई कलह बीच में न आने दें। सत्य की एकता-दायक शक्ति को प्रकट करो, और इससे मानव मनो पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। एकता में शक्ति है।

यह समय मतभेद के महत्वहीन बिंदुओं को प्रमुखता देने का नहीं है। यदि ऐसे कुछ लोग, जिनका प्रभु से जीवंत और दृढ़ संबंध नहीं है, संसार के सामने अपने मसीही अनुभव की कमजोरी प्रकट करते हैं, तो सत्य के वे शत्रु जो हम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं, इसका पूरा लाभ उठाएँगे, और हमारा कार्य बाधित होगा। सब नम्रता का अभ्यास करें, और उससे सीखें जो हृदय में नम्र और दीन है।

'the daily' का विषय वैसी हलचलें उत्पन्न नहीं करना चाहिए, जैसी उत्पन्न हुई हैं। प्रश्न के दोनों पक्षों के लोगों ने इस विषय को जिस तरह संभाला है, उसके परिणामस्वरूप विवाद खड़ा हो गया है और भ्रम पैदा हुआ है।

अपने भाइयों और उनके विश्वास की निंदा से युक्त एक पत्रक प्रकाशित करने का भाई लैरी स्मिथ का कार्य परमेश्वर द्वारा समर्थित नहीं था। और एल्डर प्रेस्कॉट से मैं कहूँगा कि इस विषय के संबंध में प्रभु ने आप पर कोई बोझ नहीं रखा है।

मुझे यह सुनकर दुख हुआ कि एल्डर डैनियल्स ने, यह जानते हुए कि इस विषय पर हमारे प्रमुख भाइयों के बीच मतभेद है, इस विषय को आगे लाने पर जोर दिया, जैसा कि कुछ स्थानों पर किया गया था।

हमारे कुछ अन्य भाई विवेक से मार्गदर्शित नहीं हुए हैं, और 'the daily' की व्याख्या के संबंध में अपने विचारों का समर्थन करने के लिए किए गए प्रयासों के परिणामों के बारे में कारण से परिणाम तक स्पष्ट तर्क नहीं किया है। जब तक इस विषय पर मतभेद की वर्तमान स्थिति बनी हुई है, इसे प्रमुख मुद्दा न बनाया जाए। सभी विवाद समाप्त होने दें। ऐसे समय में मौन ही वाक्यपट्टा है।

"इस समय परमेश्वर के सेवकों का कर्तव्य नगरों में वचन का प्रचार करना है। मसीह आत्माओं का उद्धार करने आए, और हम, उसके अनुग्रह के दान-वितरक के रूप में, बड़े-बड़े नगरों के निवासियों को उसके उद्धारक सत्य का ज्ञान प्रदान करने की आवश्यकता है।" पुस्तिकाएँ, संख्या 20, 11, 12.

भाई लैरी स्मिथ, जिनका वह उल्लेख कर रही थी, इस स्थिति से विशेष रूप से क्षुब्ध थे, क्योंकि वह उनके पिता की पुस्तक, Daniel and the Revelation, थी, जिसे Prescott और Daniells फिर से लिखना चाहते थे ताकि वे "the daily" के संबंध में उनके पिता ने जो लिखा था, उसे बदल सकें। भाई स्मिथ सत्य का, और साथ ही अपने पिता का बचाव कर रहे थे। वह बार-बार इस विवाद को "इस समय" जैसे शब्दों से सीमित करती हैं, और अंत की ओर वह कहती हैं, "जब तक इस विषय के संबंध में मतभेद की वर्तमान स्थिति बनी हुई है, इसे प्रमुख न बनाया जाए।" आज "the daily" पढ़ाने वाले एडवेंटीज़्म के सभी विश्वविद्यालय शैतानी दृष्टिकोण ही पढ़ाते हैं। यह स्पष्ट है कि आज परिस्थितियाँ वैसी नहीं हैं जैसी उस समय थीं।

एडवेंटीवाद की दूसरी पीढ़ी 1888 के विद्रोह के साथ आरंभ हुई, और नेतृत्व के बीच आत्मवाद स्थापित हो गया। उस स्थिति ने और भी बड़े आत्मवादी भ्रमों के प्रसार के लिए द्वार खोल दिया, जो परायापन और विभाजन का वातावरण लाने वाले थे, क्योंकि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों ने यह ठान लिया था कि वे जो कुछ भी व्यक्तिगत रूप से सत्य मानते हैं, उसी को बढ़ावा देंगे। Daniells, Prescott और Kellogg जैसे लोग उस इतिहास के प्रतीक बन गए, जैसा कि यहजेकेल ने उन सत्तर प्राचीनों—'इस्त्राएल के घराने के प्राचीन'—के बारे में बताया कि वे 'अंधेरे में करते हैं, हर एक अपने मन की कल्पनाओं के कक्षों में; क्योंकि वे कहते हैं, "प्रभु हमें नहीं देखता।"'

उस पीढ़ी में 1888 के संदेश के दोनों दूत वाद-विवाद, भ्रम और उस आत्मवाद में अपने मार्ग से भटक गए जिसने यहजेकेल के सत्तर प्राचीनों को अपनी चपेट में ले लिया था, जिन्होंने मंदिर की दीवारों पर और अपने मन की दीवारों पर मूर्तियाँ अंकित कर रखी थीं। केलॉग के आत्मवाद के कारण स्वास्थ्य-कार्य को हटा दिया गया, और फिर भी लाओदीकिया के एडवेंटीवाद के संशोधनवादी अनभिज्ञ लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उस पीढ़ी की अराजकता

से किसी प्रकार की विजय निकली। न्यायियों के समय में एक समानांतर इतिहास था, जहाँ न्यायियों के इतिहास का सारांश इस अवधि पर सटीक बैठता है, क्योंकि न्यायियों की पुस्तक की अंतिम आयत कहती है:

उन दिनों इस्राएल में कोई राजा नहीं था: हर व्यक्ति अपनी दृष्टि में जो ठीक था वही करता था। न्यायियों 21:25.

जैसे-जैसे हम इन लेखों को आगे बढ़ाएँगे, हम दिखाएँगे कि न्यायियों का इतिहास किस प्रकार एडवेंटवाद की दूसरी पीढ़ी के इतिहास से मेल खाता है; परन्तु ध्यान देने योग्य है कि जब लाओदीकियाई एडवेंटवाद के इतिहास पर विचार किया जाता है, तो आसानी से उपलब्ध किया गया इतिहास उन लोगों द्वारा प्रस्तुत किया गया है जो ऐतिहासिक पुनर्व्याख्या का अभ्यास करते हैं। बहन व्हाइट निश्चय ही नहीं चाहती थीं कि "the daily" का विषय उस काल में उछाला जाए, जबकि वास्तविकता यह थी कि यह कुछ बहुत छोटी अल्पसंख्यक पुरुषों का समूह था—जिनके बारे में उन्होंने कहा था कि उन्हें "स्वर्ग से निकाले गए देवदूत" मार्गदर्शन कर रहे थे—जिन्हें अपनी त्रुटिपूर्ण विचारों के प्रचार के लिए सार्वजनिक मंच दिया जा रहा था। परन्तु यह सुझाना कि बहन व्हाइट ने कभी इस विचार का समर्थन किया कि त्रुटि को बनाए रखना ठीक है, उनकी मान्यताओं के ठीक विपरीत है।

"बंधुओं, मसीह के दूत के रूप में मैं आपको चेतावनी देता हूँ कि इन गौण विषयों से सावधान रहें, जिनकी प्रवृत्ति मन को सत्य से भटकाने की है। त्रुटि कभी हानिरहित नहीं होती। यह कभी पवित्र नहीं करती, बल्कि सदा उलझन और फूट लाती है। यह हमेशा खतरनाक होती है। जिन मनो को प्रार्थना से पूरी तरह सुदृढ़ नहीं किया गया और जो बाइबल के सत्य में स्थापित नहीं हैं, उन पर शत्रु की बड़ी शक्ति होती है।" Testimonies, खंड 5, 292.

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

हमारे पास समय बर्बाद करने का समय नहीं है। हमारे सामने उथल-पुथल भरे समय हैं। संसार युद्ध की भावना से उद्वेलित है। शीघ्र ही वे विपत्तियाँ घटित होंगी जिनका उल्लेख भविष्यवाणियों में किया गया है। दानिय्येल के ग्यारहवें अध्याय की भविष्यवाणी लगभग अपनी पूरी पूर्ति तक पहुँच चुकी है। इस भविष्यवाणी की पूर्ति में जो इतिहास घटित हुआ है, उसका बहुत कुछ फिर से दोहराया जाएगा। तीसवें पद में एक शक्ति का उल्लेख है जो 'कुपित होगा, और लौटेगा, और पवित्र वाचा के विरुद्ध क्रोध करेगा; वह ऐसा ही करेगा; वह फिर लौटेगा, और उन लोगों के साथ गठजोड़ करेगा जिन्होंने पवित्र वाचा को छोड़ दिया है। और उसके पक्ष में सेनाएँ खड़ी होंगी, और वे दुर्ग के पवित्रस्थान को अशुद्ध करेंगी, और नित्य बलिदान को हटा देंगे, और उजाड़ करने वाली घृणित वस्तु को स्थापित करेंगे। और जो वाचा के विरुद्ध दुष्टता करेंगे उन्हें वह खुशामद से भ्रष्ट करेगा; परन्तु जो लोग अपने परमेश्वर को जानते हैं वे दृढ़ रहेंगे और पराक्रम करेंगे। और लोगों में जो समझदार हैं वे बहुतों को शिक्षा देंगे; तौभी वे तलवार से, आग से, बंदीगिरी से और लूट से बहुत दिनों तक गिरेंगे। अब जब वे गिरेंगे, तो उन्हें थोड़ी सहायता मिलेगी; परन्तु बहुत से लोग खुशामद से उनके साथ जुड़ जाएंगे। और उनमें से कुछ समझदार भी गिरेंगे, ताकि उन्हें परखा जाए, और शुद्ध किया जाए, और उजला किया जाए, यहाँ तक कि अंत के समय तक; क्योंकि यह अभी एक ठहराए हुए समय के लिए है। और राजा अपनी इच्छा के अनुसार करेगा; और वह अपने आप को ऊँचा करेगा, और हर एक देवता से ऊपर अपने को महान ठहराएगा, और देवताओं के परमेश्वर के विरुद्ध अद्भुत बातें कहेगा, और रोष की बात पूरी होने तक सफल रहेगा; क्योंकि जो ठहराया गया है वही किया जाएगा।' दानिय्येल 11:30-36.

इन शब्दों में वर्णित बातों के समान घटनाएँ घटित होंगी। हमें इस बात के प्रमाण दिखाई देते हैं कि शैतान उन मनुष्यों के मन पर तेज़ी से अधिकार कर रहा है, जिनके हृदय में परमेश्वर का भय नहीं है। सब लोग इस पुस्तक की भविष्यवाणियों को पढ़ें और समझें, क्योंकि हम अब उस कष्ट के समय में प्रवेश कर रहे हैं जिसका उल्लेख किया गया है:

"और उस समय मीकाएल, वह महान् प्रधान सरदार जो तेरे लोगों के पुत्रों के लिये खड़ा रहता है, उठ खड़ा होगा; और ऐसा क्लेश का समय आएगा, जैसा कि राष्ट्र के होने से लेकर उस समय तक कभी नहीं हुआ; और उस समय तेरे लोग छुटकारा पाएँगे— वे सब जो पुस्तक में लिखे हुए पाए जाएँगे। और पृथ्वी की धूल में सोए हुए बहुत से

लोग जाग उठेंगे; कुछ सदा के जीवन के लिये, और कुछ लज्जा और सदा के अपमान के लिये। और जो बुद्धिमान हैं वे आकाशमंडल की चमक के समान चमकेंगे; और जो बहुतों को धर्म की ओर फेरते हैं वे सदा और सर्वदा तारों के समान चमकेंगे। परन्तु तू, हे दानिय्येल, इन वचनों को बंद कर दे, और पुस्तक पर मुहर लगा दे, अन्तकाल तक; बहुत से लोग इधर-उधर दौड़ेंगे, और ज्ञान बढ़ेगा।' दानिय्येल 12:1-4।" मैन्युस्क्रिप्ट रिलीज़ेस, संख्या 13, 394।